गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय में एआईयू अनुसंधान सम्मेलन 'अन्वेषण' उत्तर जोन–2025 का भव्य शुभारंम्भ

पंतनगर। 25 नवम्बर 2025। पंतनगर विश्वविद्यालय में आज भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) एवं पंतनगर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में प्रतिष्ठित एआईयू अन्वेषण–उत्तर जोन छात्र अनुसंधान सम्मेलन 2025 का शुभारंभ किया गया। इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक आयोजन की मेजबानी करना पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल के कुलपति प्रोफेसर (डा.) डी.एस. रावत, पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति एवं नार्थ जोन अन्वेषण के संरक्षक प्रोफेसर (डा.) मनमोहन सिंह चौहान, एआईयू के संयुक्त निदेशक एवं नार्थ जोन अन्वेषण के संयोजक डा. अमरेंद्र पाणि, विश्वविद्यालय कुलसचिव एवं जोनल कार्डिनेटर डा. दीपा विनय तथा अधिष्ठाता कृषि व्यवसाय प्रबंधन एवं जोनल को–कोऑर्डिनेटर डा. आर.एस. जादौन सहित निर्णायक मण्डल के सदस्य, अधिष्ठातागण, निदेशकगण, विभिन्न समन्वयक, विभिन्न समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्य, विभागध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं विश्वविद्यालय के विद्यार्थी तथा देश के विभिन्न संस्थानों से आये छात्र प्रतिभागियों ने उद्घाटन सत्र में प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुमाऊँ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डी.एस. रावत ने अपने जीवन के अनुभवों एवं शोध के क्षेत्र में उत्कृष्टता पाने हेतु लगन एवं समर्पण पर विचार व्यक्त करते हुए अन्वेषण में प्रतिभाग कर रहे विद्यार्थियों एवं सभागार में उपस्थित वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि शोध में जिज्ञासा, रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक दृष्टि ही भारत को वैश्विक शोध और नवाचार में नई ऊँचाइयों पर पहुँचाएगी और विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करेगी।

इस अवसर पर प्रतिष्ठित जनसभा को संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर मनमोहन सिंह चौहान ने कहा अन्वेषण–2025 कार्यक्रम केवल एक प्रतियोगिता नहीं बल्कि युवाओं में वैज्ञानिक भावना और नवाचार जागृत करने का उत्सव है। ऐसे मंच देश की शोध प्रणाली को सुदृढ़ कर रहे हैं और युवा मस्तिष्कों को कृषि, सामाजिक एवं तकनीकी प्रगति हेतु समाधान प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने अपने शोध अनुभवों को प्रतिभागियों के साथ साझा करते हुए कहा कि शोध प्रारम्भ करने के पूर्व उद्देश्यों की स्पष्टता और नवाचार करने के लिए जूनून एवं समर्पण की आवश्यकता होती है। हमारे देश के युवा वैज्ञानिकों में शोध क्षेत्र में कुछ नया करने की क्षमता है जिससे कि देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में पूर्ण सहयोग प्राप्त हो सकता है। अपने अभिभाषण में उन्होंने एआईयू को अन्वेषण 2025 कार्यक्रम को विश्वविद्यालय में आयोजन करने के लिए धन्यवाद दिया।

भारतीय विश्वविद्यालय संघ के संयुक्त निदेशक एवं नार्थ जोन अन्वेषण 2025 के संयोजक डा. अमरेंद्र पाणि ने एआईयू के गठन, इसके उद्देश्यों एवं इसके द्वारा शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में किये गये नीतिगत निर्णयों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला तथा बताया कि एआईयू विश्व स्तर पर कई मामलों में एक अनूठा संगठन है। अन्वेषण 2025 के उद्देश्यों एवं युवा शोधार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रभावी शोध प्रस्तुत करने, विचारों का आदान–प्रदान करने तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पहचान प्राप्त करने का अवसर बताया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए नार्थ जोन अन्वेषण 2025 के सह–संयोजक डा. आर.एस. जादौन ने अन्वेषण 2025 के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि एआईयू दिशा–निर्देशों के अनुसार सम्मेलन के लिए कृषि एवं संबद्ध विज्ञान, बेसिक साइंसेज़, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी, स्वास्थ्य विज्ञान एवं संबद्ध क्षेत्र, अंतर्विषयक (इंटरडिसिप्लिनरी) शोध, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, व्यवसाय प्रबंधन, वाणिज्य एवं विधि इन छह शोध प्रमुख श्रेणियों में शोध प्रविष्टियाँ आमंत्रित की गई हैं।

उन्होंने बताया कि अन्वेषण 2025 में भारतवर्ष के 250 से अधिक विश्वविद्यालय प्रतिभाग कर रहे है। नार्थ जोन अन्वेषण 2025 में कुल 30 विश्वविद्यालयों के 1800 विद्यार्थी ने पंजीकरण किया। कुल 375 छात्रों ने दो चरणों में पोस्टर प्रस्तुति तथा चयनित प्रविष्टियों की मौखिक (पोडियम) प्रस्तुति में अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। अन्वेषण 2025 की मेजबानी कर पंतनगर विश्वविद्यालय ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि वह नवाचार, वैज्ञानिक उत्कृष्टता और राष्ट्रीय विकास को प्रोत्साहित करने वाली एक अग्रणी अनुसंधान–प्रधान संस्था है। कार्यक्रम के अंत में नार्थ जोन अन्वेषण 2025 की संयोजक डा. दीपा विनय ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनमोहन सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व तथा एआईयू के संयुक्त निदेशक एवं संयोजक डा. अमरेन्द्र पाणि के सहृदय के सहयोग के लिए तथा नार्थ जोन अन्वेषण के लिए समन्वयक डा. अभिषेक यादव, डा. एस.बी.सिंह, डा. रितिका भट्ट, डा. दिव्या, सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, कार्यक्रम में सहयोग कर रहे विभिन्न समितियों के अध्यक्ष, सदस्य तथा मीडिया के प्रतिनिधियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

Association of Indian Universities
&
G.B. Pant University of Agriculture
and Technology, Pantnagar

NORTH ZONE
ANVESHAN
2025
G.B. Pant University of Agriculture
and Technology, Pantnagar
North Zone
ANVESHAN
2025
STUDENT RESEARCH, INNOVATION
TECHNOLOGY CONVENTION
Dr. Manmohan Singh Chauhan
Dr. D. S. Rawat
Vice-Chancellor, Kumaun University

2025